Seminar on Rural Entrepreneurship at ICFAI University - March 26, 2019

the pioneer

RANCHI | WEDNESDAY | MARCH 27, 2019

Conference on rural entrepreneurship held at ICFAI University

MORNING INDIA

10 Ranchi, Wednesday 27 March 2019

Conference on Rural Entrepreneurship held at ICFAI University

हिन्दुस्तान

20

'आज ग्रामीण उद्यमिता को विकसित करना जरूरी'

राष्ट्रीय संगोष्ठी

खबर मन्त्र

रांची बुधवार, 27 मार्च 2019 16

इक्फाई विवि में ग्रामीण उद्यमिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय में मंगलवार को समावेशी आर्थिक विकास के लिए नाबार्ड के सहयोग से ग्रामीण उद्यमशीलता-अवसर और चुनौतियां पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। सम्मेलन में रामकृष्ण मिशन आश्रम, झारखंड सरकार, नाबार्ड, एक्सआईएसएस, टीआरआईएफईडी, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित अकादमिक अनुसंधान और सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी, 68% से अधिक ारतीय आबादी गांवों में रहती है और उनमें से 50% से अधिक अभी भी कृषि पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए स्वामी अंतरानंद ने कहा कि ग्रामीण उद्यमिता को विकसित करने के लिए, मानव को विकसित और ऊर्जावान होना चाहिए। सुनील कुमार सिन्हा ने झारखंड सरकार द्वारा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। सम्मेलन में कृषि विभाग के विशेष सचिव प्रदीप कुमार हजारी ने झारखंड के ग्रामीण उद्यमियों के केस स्टडीज पर सत्र की अध्यक्षता की। वहीं, पैनल चर्चा में एक्सआईएसएस उद्यमिता विकास के एचओडी डॉ हरप्रीत अहलुवालिया, बीएयू बिजनेस डेवलपमेंट के सीईओ सिद्धार्थ जयसवाल और बटरफ्लाई परियोजना की निदेशक मालविका शर्मा शामिल हुए। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंद, झारखंड राज्य के कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुनील कुमार सिन्हा और नाबार्ड के प्रबंधक विपुल अग्रवाल थे। रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह ने उद्घाटन समारोह का धन्यवाद ज्ञापन किया।

दैनिक भास्कर

इक्फाई विवि में ग्रामीण उद्यमशीलता विषय पर सेमिनार, वीसी प्रो. राव बोले

आबादी का 68% गांव में, इनमें से आधे किसान

पत्रिका का विमोचन, सेमिनार में 66 रिसर्च पेपर प्रस्तुत

338 अपग्रेडेड हाईस्कूलों के शिक्षा कर्मियों के लिए 2.92 करोड़ आवंटित

साइकिल के लिए स्टूडेंट्स की मांगी लिस्ट

प्रभात खबर

रांची, बुधवार 27.03.2019 18

इक्फाइ विवि में ग्रामीण उद्यमिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

ग्रामीण उद्यमिता के विकास के लिए ऊर्जावान होना जरूरी

रांची. इक्फाइ विवि झारखंड में नाबार्ड के सहयोग से समावेशी आर्थिक विकास के लिए ग्रामीण उद्यमशीलता : अवसर और चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. सम्मेलन में रामकृष्ण मिशन आश्रम, झारखंड सरकार, नाबार्ड, एक्सआइएसएस, टीआरआइएमइडी, बिरसा कृषि विवि जैसे संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. संगोष्ठी में 66 शोध पत्र प्रस्तुत किया गये, जिनमें 28 सफल ग्रामीण उद्यमियों के अध्ययन थे. झारखंड के नौ जिलों के 18 ग्रामीण उद्यमियों ने प्रदर्शनी के दौरान अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया. मौके पर रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंद ने कहा कि ग्रामीण उद्यमिता को विकसित करने के लिए मानव को विकसित और ऊर्जावान होना चाहिए. कृषि विभाग के संयुक्त सचिव सुनील कुमार सिन्हा ने झारखंड सरकार द्वारा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए किये जा रहे प्रयासों के बारे में बताया. इससे पूर्व विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने आगंतुकों का स्वागत किया. रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इस अवसर पर आइसीएआर के प्रमुख एके सिंह ने शोध पत्र प्रस्तुति सत्र की अध्यक्षता की. कार्यक्रम में तीन सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र को पुरस्कृत किया गया. इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ स्टॉल लगानेवाले उद्यमी और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुत करनेवाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर ट्राइफेड के क्षेत्रीय प्रबंधक एडी मिश्र, डॉ हरि हरन, प्रदीप कुमार हजारी, डॉ हरपेत, सिद्धार्थ जायसवाल, मालविका शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे.